बी.ए. हिंदी साहित्य पाठ्यक्रम उद्देश्य सारांश तालिका

पाठ्यक्रम	विषय क्षेत्र	पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ) 1	पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ) 2	पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ) 3	पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ) 4	पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ) 5
बीए प्रथम वर्ष	**प्रथम प्रश्न पत्र**	1. भाषा और व्याकरण - ग्रंथों में प्रयुक्त भाषा, व्याकरण, शब्द चयन, वाक्य रचना और भाषाई विविधता का अध्ययन।	2. साहित्यिक रचनाओं का विश्लेषण - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का विश्लेषण।	3. भक्ति और आध्यात्मिकता - भक्ति भावना, आध्यात्मिक शिक्षा, धार्मिक विचार, समाज और धर्म, नैतिक शिक्षा का अध्ययन।	4. सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ - सामाजिक मुद्दे, सांस्कृतिक परंपराएं, ऐतिहासिक संदर्भ, मानवीय मूल्य और जीवन दर्शन का अध्ययन।	5. तुलनात्मक अध्ययन - अन्य साहित्यिक रचनाओं, भाषाओं, संस्कृतियों, विचारधाराओं और कालखंडों के साथ तुलना।
बीए प्रथम वर्ष	**द्वितीय प्रश्न पत्र**	1. उपन्यास का अध्ययन - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का अध्ययन।	2. कहानी का अध्ययन - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का अध्ययन।	3. गद्य की विधाओं का अध्ययन - डायरी, संस्मरण, यात्रा, रेखा चित्र का परिचय, भाषा, शैली, विषय-वस्तु और लेखकों का अध्ययन।	4. हिंदी गद्य का विकास - प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विकास का अध्ययन, विभिन्न कालखंडों की विशेषताएं, प्रमुख लेखकों का योगदान, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव, भाषा का विकास।	5. हिंदी उपन्यास और कहानी का स्वरूप और परिभाषा - परिभाषाएं, स्वरूप, तत्व, भेद और उदाहरणों का अध्ययन।
बीए द्वितीय वर्ष	**प्रथम प्रश्न पत्र (रीतिकालीन)**	1. विषय-वस्तु: रीतिकालीन कविता में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	2. भाषा: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	3. शैली: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	4. अलंकार: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों का अध्ययन करें।	5. प्रमुख कवियों का अध्ययन: रीतिकाल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।
बीए द्वितीय वर्ष	**द्वितीय प्रश्न पत्र (नाटक एवं एकांकी):**	1. विषय-वस्तु: नाटक में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	2. पात्र: नाटक में वर्णित विभिन्न पात्रों के चरित्र चित्रण और विकास का अध्ययन करें।	3. कथा: नाटक में वर्णित कथाओं का सार, संरचना और विकास का अध्ययन करें।	4. शैली: नाटक में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों और उनके प्रभाव का अध्ययन करें।	5. आलंकारिकता: नाटक में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों और उनके प्रभाव का अध्ययन करें।
बीए तृतीय वर्ष	**प्रथम प्रश्न पत्र (आधुनिक काव्य)**	1. विषय-वस्तु: आधुनिक काव्य में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	2. भाषा: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	3. शैली: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	4. अलंकार: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों का अध्ययन करें।	5. प्रमुख कवियों का अध्ययन: आधुनिक काल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।
बीए तृतीय वर्ष	**द्वितीय प्रश्न पत्र (निबंध तथा काव्यशास्त्र):**	1. विषय-वस्तु: निबंध में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	2. भाषा: निबंध में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	3. शैली: निबंध में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	4. विचारों का क्रम: निबंध में विचारों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने की तकनीक का अध्ययन करें।	5. प्रमुख निबंधकारों का अध्ययन: आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख निबंधकारों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।

बी.ए. हिंदी साहित्य कार्यक्रम उद्देश्य सारांश तालिका

क्रम सं.	कार्यक्रम के उद्देश्य (पीओ):	कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (पीएसओ):	कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्य (पीईओ):
पीओ 1/पीएसओ 1/पीईओ 1	1. हिंदी भाषा और साहित्य का गहन ज्ञान और समझ विकसित करना।	1. विद्यार्थी आधुनिक और प्राचीन हिंदी साहित्य की प्रमुख धाराओं, प्रवृत्तियों और लेखकों की पहचान और विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।	1. विद्यार्थी आजीवन हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन और सराहना के लिए प्रतिबद्ध होंगे।
पीओ 2/पीएसओ 2/पीईओ 2	2. आलोचनात्मक सोच और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास करना।	2. विद्यार्थी साहित्यिक कृतियों की गहन व्याख्या और मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।	2. विद्यार्थी रचनात्मक और विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करेंगे जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में सफल होने में सक्षम बनाएंगे।
पीओ 3/पीएसओ 3/पीईओ 3	3. संचार कौशल, लिखित और मौखिक दोनों का विकास करना।	3. विद्यार्थी विभिन्न शैलियों में स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रभावी ढंग से हिंदी में लिख और बोल सकेंगे।	3. विद्यार्थी सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकेंगे।
पीओ 4/पीएसओ 4/पीईओ 4	4. हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता पैदा करना।	4. विद्यार्थी साहित्य, भाषा, संस्कृति और समाज के बीच के संबंधों को समझने में सक्षम होंगे।	4. विद्यार्थी निरंतर सीखने और स्वतंत्र अध्ययन की आदत विकसित करेंगे।
पीओ 5/पीएसओ 5/पीईओ 5	5. हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आजीवन सीखने और पेशेवर विकास के लिए प्रेरित करना।	5. विद्यार्थी शिक्षा, अनुसंधान, पत्रकारिता, प्रशासन, अनुवाद आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के अपने ज्ञान को लागू करने के लिए तैयार होंगे।	5. विद्यार्थी हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

बीए हिंदी साहित्य में सभी पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम घटकों (सीओ) को कार्यक्रम परिणामों (पीओ), कार्यक्रम विशिष्ट परिणामों (पीएसओ) और कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्यों (पीईओ) से संरेखण

पाठ्यक्रम उद्देश्य (सीओ)	कार्यक्रम के उद्देश्य (पीओ):	कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (पीएसओ):	कार्यक्रम शैक्षिक उद्देश्य (पीईओ):	स्तर
बीए प्रथम वर्ष पेपर I				
1. भाषा और व्याकरण - ग्रंथों में प्रयुक्त भाषा, व्याकरण, शब्द चयन, वाक्य रचना और भाषाई विविधता का अध्ययन।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
2. साहित्यिक रचनाओं का विश्लेषण - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का विश्लेषण।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
3. भक्ति और आध्यात्मिकता - भक्ति भावना, आध्यात्मिक शिक्षा, धार्मिक विचार, समाज और धर्म, नैतिक शिक्षा का अध्ययन।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
4. सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ - सामाजिक मुद्दे, सांस्कृतिक परंपराएं, ऐतिहासिक संदर्भ, मानवीय मूल्य और जीवन दर्शन का अध्ययन।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
5. तुलनात्मक अध्ययन - अन्य साहित्यिक रचनाओं, भाषाओं, संस्कृतियों, विचारधाराओं और कालखंडों के साथ तुलना।	1, 4	1	1, 4	विश्लेषण (मध्यम)
बीए प्रथम वर्ष पेपर II				
1. उपन्यास का अध्ययन - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का अध्ययन।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
2. कहानी का अध्ययन - विषय-वस्तु, पात्र, कथा, शैली और अलंकारिकता का अध्ययन।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
3. गद्य की विधाओं का अध्ययन - डायरी, संस्मरण, यात्रा, रेखा चित्र का परिचय, भाषा, शैली, विषय-वस्तु और लेखकों का अध्ययन।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
4. हिंदी गद्य का विकास - प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विकास का अध्ययन, विभिन्न कालखंडों की विशेषताएं, प्रमुख लेखकों का योगदान, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव, भाषा का विकास।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
5. हिंदी उपन्यास और कहानी का स्वरूप और परिभाषा - परिभाषाएं, स्वरूप, तत्व, भेद और उदाहरणों का अध्ययन।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
बीए द्वितीय वर्ष पेपर I				
1. विषय-वस्तु: रीतिकालीन कविता में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
2. भाषा: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
3. शैली: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
4. अलंकार: रीतिकालीन कविता में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
5. प्रमुख कवियों का अध्ययन: रीतिकाल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)

बीए द्वितीय वर्ष पेपर II				
1. विषय-वस्तु: नाटक में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
2. पात्र: नाटक में वर्णित विभिन्न पात्रों के चरित्र चित्रण और विकास का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
3. कथा: नाटक में वर्णित कथाओं का सार, संरचना और विकास का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
4. शैली: नाटक में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों और उनके प्रभाव का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
5. आलंकारिकता: नाटक में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों और उनके प्रभाव का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
बीए तृतीय वर्ष पेपर I				
1. विषय-वस्तु: आधुनिक काव्य में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
2. भाषा: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
3. शैली: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
4. अलंकार: आधुनिक काव्य में प्रयुक्त विभिन्न अलंकारों का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
5. प्रमुख कवियों का अध्ययन: आधुनिक काल के प्रमुख कवियों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
बीए तृतीय वर्ष पेपर II				
1. विषय-वस्तु: निबंध में वर्णित विभिन्न विषयों और विचारों का विश्लेषण करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
2. भाषा: निबंध में प्रयुक्त भाषा की विशेषताओं का अध्ययन करें।	1, 4	1	1, 4	समझ (मध्यम)
3. शैली: निबंध में प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)
4. विचारों का क्रम: निबंध में विचारों को क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने की तकनीक का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	विश्लेषण (मध्यम)
5. प्रमुख निबंधकारों का अध्ययन: आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख निबंधकारों और उनकी रचनाओं का अध्ययन करें।	1, 2, 4	1, 2	1, 2, 4	समझ (मध्यम)